

आनन्दाश्रममुद्रणालयमुद्रणानां सूचीपत्रम् ।

ग्रन्थनाम ।

मूल्यम् ।

रु० आ०

| | | | |
|---|-----|----|----|
| १ गणेशाथर्वशीर्षम्—सभाष्यम् । | ... | ० | ६ |
| २ रुद्राध्यायः—सायणाचार्यभट्टभास्करप्रणीतभाष्याभ्यां संवलितः । | १ | ६ | |
| ३ पुरुषसूक्तम्—सायणभाष्योपेतम् । | ... | ० | ४ |
| ४ योगरत्नाकरः—वैद्यकशास्त्रीयग्रन्थोऽतीव पुरातनः । | ... | ५ | ० |
| ५ ईशावास्योपनिषत्—सटीकशांकरभाष्याद्युपेता । | ... | ० | १४ |
| ६ केनोपनिषत्—सटीकशांकरभाष्याद्युपेता । | ... | १ | ० |
| ७ काठकोपनिषत्—टीकाद्वयसहितशांकरभाष्योपेता । | ... | १ | ४ |
| ८ प्रश्नोपनिषत्—सटीकशांकरभाष्याद्युपेता । | ... | १ | ० |
| ९ मुण्डकोपनिषत्—सटीकशांकरभाष्याद्युपेता । | ... | ० | १० |
| १० माण्डूक्योपनिषत्—सटीकशांकरभाष्यगौडपादीयकारिकाद्युपेता । | २ | ५ | |
| ११ ऐतरेयोपनिषत्—सटीकशांकरभाष्याद्युपेता । | ... | १ | ४ |
| १२ तैत्तिरीयोपनिषत्—सटीकशांकरभाष्याद्युपेता । | ... | १ | १२ |
| १३ तैत्तिरीयोपनिषद्भाष्यवार्तिकम्—सुरेश्वराचार्यकृतं सटीकम् | २ | २ | |
| १४ छान्दोग्योपनिषत्—सटीकशांकरभाष्योपेता । | ... | ५ | ० |
| १५ बृहदाल्पब्रह्मसूत्रोपनिषत्—सटीकशांकरभाष्योपेता । | ... | ८ | ० |
| १६ बृहदारण्यकोपनिषद्भाष्यवार्तिकम्—भागवत्यात्मकम् । | २२ | ८ | |
| १७ श्वेताश्वतरोपनिषत्—भाष्यदीपिकाद्युपेता । | ... | २ | ४ |
| १८ सौरपुराणम्—श्रीमद्द्वैपायनप्रणीतम् । उपपुराणम् । | ... | ३ | ० |
| १९ रसरत्नसमुच्चयः—श्रीमद्वाग्भटाचार्यविरचितः । वैद्यकग्रन्थः । | ३ | १२ | |
| २० जीवन्मुक्तिविवेकः—विद्यारण्यविरचितः सटीकः । | ... | ३ | १२ |
| २१ ब्रह्मसूत्राणि—सटीकशांकरभाष्योपेतानि भागद्वयात्मकानि । | १२ | ० | |
| २२ श्रीमच्छंकरादिग्विजयः—विद्यारण्यकृतः । टीकादिष्पणीभ्यांसहितः । | ६ | ० | |
| २३ वैयासकन्यायमालाविस्तरः—भारतीतीर्थमुनिप्रणीतः । | १ | १२ | |
| २४ जैमिनीयन्यायमालाविस्तरः—श्रीमाधवप्रणीतः । | ... | ८ | ० |
| २५ सूतसंहिता—माधवकृतटीकोपेता । भागवत्यात्मिका । | ... | ११ | ८ |
| २६ हस्त्यायुर्वेदः—पालकाप्यमुनिविरचितः । | ... | ७ | ६ |
| २७ वृन्दमधवः—श्रीमद्वृन्दप्रणीतः । सटीकः । वैद्यकग्रन्थः । | ६ | १२ | |
| २८ ब्रह्मपुराणम्—श्रीमद्व्यासविरचितम् । प्रथमं महापुराणम् । | ६ | ४ | |

| | | |
|---|-----|----|
| २९ उपविषदां स मुच्यते-श्रीनारायणशंकरानन्दकृतदीपिकासहितः । | ६ | १२ |
| ३० नृसिंहपूर्वोत्तरतापनीयोपनिषत्-भाष्याद्युपेता । | ... | १ |
| ३१ हृदारण्यकोपनिषन्मिताक्षरा-श्रीनित्यानन्दमुनिविरचिता । | ३ | १२ |
| ३२ ऐतरेयब्राह्मणम्-सायणभाष्यसमेतम् । भागद्वयात्मकम् । | १० | १० |
| ३३ धन्वन्तरीयनिघण्टुः-श्रीधन्वन्तारिविरचितः । वैद्यकग्रन्थः । | ६ | ४ |
| ३४ श्रीमद्भगवद्गीता-शांकरभाष्योपेता । | ... | २ |
| ३५ श्रीमद्भगवद्गीता-सटीकशांकरभाष्योपेता । | ... | ६ |
| ३५ संगीतरत्नाकरः-शार्ङ्गदेवकृतः सटीको द्विभागः । गानशास्त्रम् । | १० | ४ |
| ३६ तैत्तिरीयारण्यकम्-सायणभाष्यसमेतं भागद्वयात्मकम् । | ९ | १ |
| ३७ तैत्तिरीयब्राह्मणम्-सायणभाष्यसमेतं भागत्रयात्मकम् । | १४ | ८ |
| ३८ ऐतरेयारण्यकम्-सायणभाष्यसहितम् । | ... | ३ |
| ३९ संस्काररत्नमाला-गोपीनाथभट्टविरचिता । भागद्वयात्मिका । | १२ | ८ |
| ४० संध्याभाष्यसमुच्चयः-खण्डराजश्रीकृष्णपण्डितादिप्रणीतः । | १२ | ० |
| ४१ अग्निपुराणम्-महर्षिव्यासप्रणीतम् । महापुराणम् । | ... | ५ |
| ४२ तैत्तिरीयसंहिता-सायणभाष्यसमेता । भागनवकात्मिका । | ४८ | १० |
| ४३ वैयाकरणसिद्धान्तकारिकाः-भट्टोजीदीक्षितकृताः सटीकाः । | १० | १२ |
| ४४ श्रीमद्भगवद्गीता-पैशाचभाष्यसमेता । | ... | १ |
| ४५ श्रीमद्भगवद्गीता-मधुसूदनश्रीधरकृतटीकोपेता । | ... | ५ |
| ४६ याज्ञवल्क्यस्मृतिः-अपरार्ककृतटीकासहिता भागद्वयात्मिका । | १३ | ० |
| ४७ पातञ्जलयोगसूत्राणि-भाष्यवृत्तिभ्यां समेतानि । | ... | ३ |
| ४८ स्मृतीनां समुच्चयः-अङ्गिरःप्रभृतिसप्तविंशतिस्मृत्यात्मकः । | ५ | ० |
| ४९ वायुपुराणम्-महर्षिव्यासप्रणीतम् । महापुराणम् । | ... | ४ |
| ५० यतीन्द्रः-तट्टीपिका-श्रीनिवासदासकृता । प्रकाशटीकोपेता । | १ | ४ |
| ५१ सर्वदर्शनसंग्रहः-माधवाचार्यप्रणीतः । | ... | २ |
| ५२ श्रीमद्भूषणगीता-नीलकण्ठकृतटीकोपेता । | ... | २ |
| ५३ सत्याषाढश्रौतसूत्रम्-सत्याषाढविरचितं भागद्वयात्मकम् । | २८ | ५ |
| ५४ मत्स्यपुराणम्-श्रीमद्भूषणपायनमुनिप्रणीतम् । महापुराणम् । | ६ | ० |
| ५५ पुरुषार्थचिन्तामणिः-आठवलेइत्युपाह्वयिष्णुभट्टकृतः । | ४ | ० |
| ५६ नित्यपौडिकार्णवः-भास्कररायानीतटीकासहितः । | ... | ३ |

ग्रन्थनाम ।

मूल्यम् ।

रु० आ०

| | | |
|---|----|----|
| ५७ आचारभूषणम्—हिरण्यकेश्याहनिकमोकोपाह्वयम्बककृतम् । | ४ | ६ |
| ५८ आचारेन्दुः—माटेइत्युपाह्वयम्बकविरचितः । | ४ | ७ |
| ५९ श्राद्धमञ्जरी—केलकरोपाह्वबापूभट्टविरचिता । | २ | ७ |
| ६० यतिधर्मसंग्रहः—विश्वेश्वरसरस्वतीकृतः । | १ | १२ |
| ६१ गौतमप्रणीतधर्मसूत्रम्—हरदत्तकृतटीकासमेतम् । | २ | ८ |
| ६२ ईशकेनकठप्रश्नमुण्डमाण्डूकयानन्दवल्लीभृगूपनिषदः—सटीकाः | २ | ८ |
| ६३ छान्दोग्योपनिषत्—रङ्गरामानुजविरचितप्रकाशिकोपेता । | ३ | १२ |
| ६४ बृहदारण्यकोपनिषत्—रङ्गरामानुजविरचितप्रकाशिकोपेता । | ३ | ४ |
| ६५ शाङ्खायनब्राह्मणम्—ऋग्वेदान्तर्गतबाष्कलशास्त्रीयम् । | १ | ४ |
| ६६ काव्यप्रकाशः—उद्द्योतयुतप्रदीपसहितः । | ६ | ४ |
| ६७ ब्रह्मसूत्राणि—दीपिकासमेतानि । | ४ | ८ |
| ६८ बृहद्ब्रह्मसंहिता—नारदपञ्चरात्रान्तर्गता । | १ | १२ |
| ६९ ज्ञानार्णवतन्त्रम्—ईश्वरप्रोक्तम् । तन्त्रशास्त्रग्रन्थः । | १ | ४ |
| ७० स्मृत्यर्थसारः—श्रीधराचार्यविरचितः । | १ | १७ |
| ७१ बृहद्योगतरङ्गिणी—त्रिमलभट्टविरचिता भागद्वयोपेता । | १० | १२ |
| ७२ परिभाषेन्दुशेखरः—वैद्यनाथकृतगदाख्यटीकायुतः । | २ | ६ |
| ७३ गायत्रीपुरश्चरणपद्धतिः—श्रीमच्छंकराचार्यविरचिता । | १ | ८ |
| ७४ द्राह्यायणगृह्यसूत्रवृत्तिः—रुद्रस्कन्दप्रणीता । | १ | ७ |
| ७५ ब्रह्मसूत्रभाष्यार्थरत्नमाला—सुब्रह्मण्यविरचिता । | ४ | ४ |
| ७६ ईशकेनकठोपनिषदः—दिगम्बरानुचरकृतव्याख्यासमेताः । | १ | ७ |
| ७७ वेदान्तसूत्रमुक्तावलिः—ब्रह्मानन्दसरस्वतीविरचितः । | २ | ६ |
| ७८ त्रिस्थलीसेतुः—नारायणभट्टविरचितः । | ३ | १२ |
| ७९ छान्दोग्योपनिषत्—मिताक्षराव्याख्यासमेता । | २ | ७ |
| ८० वाक्यवृत्तिः—श्रीमच्छंकराचार्यकृता सटीका । | ७ | ८ |
| ८१ आश्वलायनश्रौतसूत्रम्—नारायणकृतवृत्तिसमेतम् । | ४ | ११ |
| ८२ ब्रह्मसूत्रवृत्तिः—हरिदीक्षितविरचिता । | २ | ७ |
| ८३ संक्षेपशारीरकम्—व्याख्यासहितं भागद्वयोपेतम् । | ९ | ११ |
| ८४ अद्वैतामोदः—म. म. अभ्यंकरोपाह्ववासुदेवशास्त्रिप्रणीतः । | २ | ७ |
| ८५ ज्योतिर्निबन्धः—शूरमहाश्रीशिवराजविरचितः । | ३ | १५ |